पाठ 10. प्रकृति का सान्निध्य

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य प्रकृति की महत्ता बताना तथा इसकी रक्षा हेतु जागरूकता फैलाना है। प्रकृति और मानव का अटूट संबंध है।

पाठ का सारांश

इस पाठ में लेखक का प्रकृति और वन्य जीव-जंतुओं के प्रति अगाध प्रेम प्रकट होता है। कुछ लोग लेखक की आलोचना करते हुए कहते हैं कि वे जंगलों में घूमकर अपने जीवन का कीमती समय बर्बाद कर रहे हैं। किंतु लेखक पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों में से ही स्वयं को एक प्राणी मानते हैं। वे प्रकृति के पास रहने के लिए तरसते हैं। लेखक का मानना है कि मनुष्य के द्वारा निर्मित कृत्रिम दुनिया के कारण हम प्रकृति से बिछुड़ गए हैं। घर में बगीचा लगा लेने से हम प्रकृति के निकट नहीं आ सकते। लेखक कहते हैं कि जब वे पहाड़ के शिखर पर चढ़कर असंख्य शिखर, खुले मैदान और नदियों को देखते हैं तब उन्हें अपना जीवन सार्थक लगने लगता है। पशु-पक्षी हमारे आदर्शों को नहीं जानते क्योंकि मानव जाति के साथ उनके अनुभव अच्छे नहीं रहे हैं। जिस प्रकार हम तिरस्कार के लिए 'हैवानियत' शब्द का इस्तेमाल करते हैं वैसे ही पशु-पक्षी 'आदमियत' शब्द का प्रयोग करते होंगे। लेखक पुरानी बातें याद करते हुए कहते हैं कि जब वे सिंहगढ़ रहते थे तब पक्षी उन्हें अपना मानते थे। तब लेखक स्वयं को धन्य समझते थे। लेखक बादल बनकर शिखरों के बीच व्योम-विहार करना चाहते हैं। वे हिमशिखरों और इन पर विहार करने वाले बादलों के दर्शन करने को तरसते हैं। ये बादल पल-पल में अपना रंग बदलते हुए उन्हें आनंदविभोर कर देते हैं तथा बारिश बनकर उन्हें पूरा भिगो देते हैं।

अध्यापन संकेत

पाठ का वाचन करने से पहले **पठन-पूर्व चर्चा** के अंतर्गत दिए गए प्रश्न पूछें। बच्चों से पाठ का वाचन करवाएँ। आवश्यकतानुसार पंक्तियों का भाव स्पष्ट करें। बच्चों के उच्चारण पर ध्यान दें। पाठ संबंधी छोटे-छोटे प्रश्न पूछें।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें–

- "प्रकृति से हमारा अटूट नाता है।" कैसे? स्पष्ट करें।
- जब आप किसी पर्वतीय प्रदेश घूमने जाते हैं तब आपको कैसा लगता है?
- पशु-पक्षियों के साथ हमें कैसा व्यवहार करना चाहिए?
- हम प्रकृति की रक्षा किस प्रकार कर सकते हैं?
- बच्चों को जीव-जंतुओं के प्रति प्रेम का व्यवहार करने के लिए प्रेरित करें।
- पाठ के कठिन शब्दों के अर्थ समझाएँ।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।